

पत्र सूचना शाखा
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, 50प्र0

राज्यपाल ने कासगंज में पौधा रोपित कर किया वृक्षारोपण महाकुंभ का शुभारम्भ

लखनऊ: 9 अगस्त, 2019

उत्तर प्रदेश की राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने आज जनपद कासगंज के चंदनपुर घटियारी ग्राम में पौधा रोपित करके वृक्षारोपण महाकुंभ का शुभारम्भ किया। जनपद कासगंज में 3,89,550 पौधे रोपित किये जाने का लक्ष्य रखा गया है। राज्य सरकार ने 'भारत छोड़ो आंदोलन' की 77वीं वर्षगांठ के अवसर पर प्रारम्भ किये गये वृक्षारोपण महाकुंभ में 'एक व्यक्ति एक वृक्ष' अभियान के अन्तर्गत 22 करोड़ पौधे लगाये जाने का संकल्प लिया है। इस अवसर पर सांसद श्री राजवीर सिंह, राज्यमंत्री श्री सुरेश पासी, राज्यमंत्री श्री संदीप सिंह, विधायक कासगंज श्री देवेन्द्र सिंह राजपूत, विधायक पटियाली श्री ममतेश शाक्य, विधायक अमापुर श्री देवेन्द्र प्रताप सिंह, महानिदेशक नमामि गंगे श्री राजीव रंजन मिश्रा, प्रमुख सचिव वन एवं जलवायु परिवर्तन श्रीमती कल्पना अवस्थी, जिलाधिकारी श्री चन्द्र प्रकाश सिंह सहित बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

राज्यपाल आनन्दीबेन पटेल ने इस अवसर पर रामचरितमानस के रचियता तुलसीदास की पावन जन्मस्थली एवं देश को आजाद कराने वाले शहीदों को नमन किया। उन्होंने कहा कि बदलता पर्यावरण चिंता का विषय है। जहाँ बारिश नहीं होती थी वहाँ बाढ़ की स्थिति है और जहाँ बारिश होती थी वह क्षेत्र सूखाग्रस्त हो रहा है। भावी पीढ़ी के लिये हमें पर्यावरण और जल को बचाना है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने इसीलिये जल विभाग सृजित किया है। उन्होंने कहा कि पर्यावरण एवं जल संरक्षण में महिलाओं एवं बच्चों की भागीदारी सुनिश्चित की जाये।

श्रीमती आनन्दीबेन ने उपस्थित जनसमूह से कहा कि वह स्वयं तय करें कि पर्यावरण की रक्षा कैसे की जाये। पानी बचाने का आह्वान करते हुये उन्होंने कहा कि उतने ही पानी का उपयोग करें जितनी आवश्यकता हो। लोग आधा पानी पीते हैं आधा छोड़ देते हैं जो बर्बाद होता है। बच्चे भी बड़े काम कर सकते हैं। बेटी-बेटे में कोई भेद नहीं होना चाहिए। दोनों को उचित शिक्षा, पोषण, संस्कार देने और रोगमुक्त रखने की आवश्यकता है। छात्र-छात्राओं से अपेक्षा करते हुये राज्यपाल ने कहा कि वे अपने प्रधानाचार्य एवं शिक्षकों के साथ समय निकालकर आर्ये और नवरोपित पौधों की सिंचाई का काम करने की जिम्मेदारी लें। उन्होंने कहा कि जिस तरह मां-बाप अपने बच्चों को पाल-पोसकर बड़ा करते हैं, उसी तरह पौधों को भी अपनी संतान समझें।

